एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN811DSCT
पाठ्यक्रम क्रमांक	I
पाठ्यक्रम का नाम	वैदिक साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.सी. (Discipline Specific Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	वैदिक साहित्य के इतिहास ज्ञान सहित कतिपय संहिता सूक्तों के अध्ययन में निपुणता।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी प्राचीन वैदिक संहिताओं के कतिपय सूक्तों एवं वैदिक साहित्य के इतिहास का अनुशीलन कर सकेंगे। 2. विद्यार्थीयों में प्राचीन वैदिक संस्कृति एवं सदाचार की समझ विकसित होगी। 3. विद्यार्थी ज्ञान–विज्ञान के प्राचीन स्रोतों की तरफ उन्मुख हो सकेंगे। 4. विद्यार्थीयों में वैदिक संस्कृत भाषा की समझ विकसित होगी।
पाठ्यक्रम	1. ऋग्वेदीय, शुक्लयजुर्वेदीय एवं अथर्ववेदीय सूक्त (कुछ चुने हुए सूक्त मात्र)। 2. वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास।

Pankaj

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित संवाद सूक्त – सरमा–पाणि (10.108), विश्वामित्र–नदी (3.33) (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त – अग्नि सूक्त (1.1), इन्द्र सूक्त (2.12), वरुण सूक्त (1.25) (12घण्टे)
तृतीय इकाई	ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त – पुरुष सूक्त (10.90), नासदीय सूक्त (10.129), विष्णु सूक्त (1:154) (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	शुक्लयजुर्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त – शिवसंकल्प, अध्याय –34 (1–6), अथर्ववेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त – राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29), काल (10.53) (12घण्टे)
पंचम इकाई	वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु निर्धारित हैं– वेदों का काल (मैक्समूलर, ए. वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम. विन्टरनिज तथा भारतीय परम्परागत विचार), संहिता साहित्य, ब्राह्मण साहित्य, आरण्यक साहित्य एवं वेदांग साहित्य। (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. बृहद् ऋक्सूक्तसंग्रह, देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर। 2. वैदिक सूक्त संग्रह, गीताप्रेस, गोरखपुर। 3. यजुर्वेद संहिता, श्रीराम शर्मा आचार्य, युग निर्माण योजना प्रेस, मथुरा। 4. अथर्ववेद संहिता, श्रीराम शर्मा आचार्य, युग निर्माण योजना प्रेस, मथुरा।
सन्दर्भपुस्तकें	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी। 3. वैदिक साहित्य का इतिहास, कुंवरलाल जैन, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली। 4. पुरुष सूक्त : एक विवेचन, समी शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
ई संसाधन	Epustakalay.com

Pankaj

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN812DSCT
पाठ्यक्रम क्रमांक	II
पाठ्यक्रम का नाम	सांख्य दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.सी. (Discipline Specific Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	भारतीय दर्शन शास्त्र की सांख्य दर्शन परंपरा का परिचय एवं प्रमुख ग्रन्थ सांख्यकारिका का अधिगम।
पाठ्यक्रम,अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी सांख्य दर्शन के सार तत्त्व को समझ सकेंगे। 2. विद्यार्थियों की योगादि अन्य भारतीय दर्शनों की तरफ प्रवृत्ति हो सकेगी। 3. विद्यार्थियों में दर्शन विषय की ओर रुचि उत्पन्न होगी व जीवन में दार्शनिकता का प्रभाव हो सकेगा।
पाठ्यक्रम	ईश्वरकृष्णकृत सांख्यकारिका

Pankaj

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	सांख्यकारिका की 1 से 16 कारिकाएँ (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	सांख्यकारिका की 17 से 35 कारिकाएँ (12घण्टे)
तृतीय इकाई	सांख्यकारिका की 36 से 54 कारिकाएँ (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	सांख्यकारिका की 55 से 72 कारिकाएँ (12घण्टे)
पंचम इकाई	ईश्वरकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, सांख्य दर्शन के इतिहास का सामान्य परिचय, सांख्य दर्शन का प्रतिपाद्य एवं महत्त्व। (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. सांख्यकारिका, व्या. विमला कर्णाटक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी। 2. सांख्यकारिका, व्या. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर। 3. सांख्यकारिका, व्या. ज्वाला प्रसाद गौड, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
सन्दर्भपुस्तकें	1. भारतीय दर्शन – जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी। 2. सांख्य दर्शनम्, गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी। 3. सांख्य दर्शन का इतिहास, उदयवीर शास्त्री।
ई संसाधन	epustakalay.com

Pankaj

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN813DSCT
पाठ्यक्रम क्रमांक	III
पाठ्यक्रम का नाम	व्याकरण एवं अनुवाद
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.सी. (Discipline Specific Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	संस्कृत की व्याकरणशास्त्र परम्परा में कारक प्रकरण के अधिगम के साथ संस्कृत अनुवाद में दक्षता प्राप्त करना।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी कारक प्रकरण के सूत्रों के ज्ञान के माध्यम से संस्कृत वाक्य का निर्माण कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद करने में समर्थ होंगे। 3. विद्यार्थियों की संस्कृत व्याकरण की ओर प्रवृति एवं समझ विकसित हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	1. कारक प्रकरण (वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी) 2. अनुवाद (हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी)

Pankaj

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण – प्रथमा विभक्ति से द्वितीया विभक्ति पर्यन्त। (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण – तृतीया विभक्ति से चतुर्थी विभक्ति पर्यन्त। (12घण्टे)
तृतीय इकाई	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण – पंचमी विभक्ति से सप्तमी विभक्ति पर्यन्त। (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	हिंदी से संस्कृत में अनुवाद। (12घण्टे)
पंचम इकाई	संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद। (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण), व्याख्याकार उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी। 2. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण), व्याख्याकार अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर। 3. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण), व्याख्याकार, गोविन्द प्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
सन्दर्भपुस्तकें	1. संस्कृत व्याकरण निकर, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा क्लासिकल, वाराणसी। 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या – पंचम भाग), भीमसेन शास्त्री भैमी प्रकाशन, दिल्ली। 3. अनुवाद चंद्रिका, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 4. प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी, कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 5. रचनानुवाद कौमुदी, कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
ई संसाधन	epustakalay.com

Pankaj

पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN814DSCT
पाठ्यक्रम क्रमांक	IV
पाठ्यक्रम का नाम	काव्यशास्त्र एवं अंलकार
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.सी. (Discipline Specific Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	संस्कृत काव्यशास्त्र परम्परा के प्रमुख ग्रन्थ साहित्यदर्पण एवं काव्यप्रकाश के कतिपय अंशों का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी काव्य की परिभाषा, प्रयोजन, शब्दशक्तियों एवं अलंकारों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों में काव्यशास्त्र की उपयोगिता की समझ विकसित होगी। 3. विद्यार्थियों की अन्य काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	1. आचार्य विश्वनाथ विरचित साहित्यदर्पण – प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद। 2. आचार्य मम्मट विरचित काव्यप्रकाश – नवम एवं दशम उल्लास के कतिपय प्रमुख अंलकार।

Pankaj

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	साहित्यदर्पण – प्रथम परिच्छेद। (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	साहित्यदर्पण – द्वितीय परिच्छेद के प्रारम्भ से लक्षणा शब्दशक्ति तक। (12घण्टे)
तृतीय इकाई	साहित्यदर्पण – द्वितीय परिच्छेद में व्यंजना शब्दशक्ति से द्वितीय परिच्छेद की समाप्ति तक। (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	काव्यप्रकाश के निम्नलिखित अंलकारों का लक्षण एवं उदाहरण सहित अध्ययन – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा। (12घण्टे)
पंचम इकाई	काव्यप्रकाश के निम्नलिखित अंलकारों का लक्षण एवं उदाहरण सहित अध्ययन – निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति। (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. साहित्यदर्पण, व्याख्याकार शेषराज शर्मा रेग्मी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी। 2. साहित्यदर्पण, व्याख्याकार सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी। 3. काव्यप्रकाश, व्याख्याकार विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी। 4. काव्यप्रकाश, व्याख्याकार श्रीनिवास शास्त्री, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।
सन्दर्भपुस्तकें	1. संस्कृत काव्यशास्त्र एवं काव्यांग, प्रीतिप्रभा गोयल, अरिहन्त प्रकाशन, जोधपुर। 2. साहित्यदर्पण परिशीलन, त्रिभुवन मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 3. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, सुशील कुमार डे, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना।
ई संसाधन	epustakalay.com

Pankaj

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN815ADSET
पाठ्यक्रम क्रमांक	V
पाठ्यक्रम का नाम	रुपक साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	25 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्दंष्य	संस्कृत रुपक साहित्य के प्रसिद्ध ग्रन्थ प्रतिमा नाटक का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी महाकवि भास की नाट्यकला से परिचित हो सकेंगे। 2. विद्यार्थी प्रतिमा कालीन समाज और संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 3. विद्यार्थी की अन्य संस्कृत रूपक साहित्य की ओर प्रवृति हो सकेंगी।
पाठ्यक्रम	1. महाकवि भास विरचित प्रतिमा नाटकम्।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	प्रतिमा नाटकम् – प्रथम अंक। (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	प्रतिमा नाटकम् – द्वितीय एवं तृतीय अंक। (12घण्टे)
तृतीय इकाई	प्रतिमा नाटकम् – चतुर्थ एवं पंचम अंक। (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	प्रतिमा नाटकम् – षष्ठ एवं सप्तम अंक। (12घण्टे)
पंचम इकाई	महाकवि भास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, महाकवि भास की नाट्यकला, प्रतिमा नाटक के पात्रों का परिचय एवं चरित्र चित्रण। (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. प्रतिमा नाटकम्, व्याख्याकार जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी। 2. प्रतिमा नाटकम्, व्याख्याकार डॉ. जगन्नाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर। 3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमा शंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी।
सन्दर्भपुस्तकें	1. प्रतिमानाटकम्, डॉ. राकेश शास्त्री, चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली। 2. प्रतिमानाटकम्, डॉ. जगन्नाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर। 3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमा शंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी।
ई संसाधन	epustakalay.com

Pankaj

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN815BDSET
पाठ्यक्रम क्रमांक	V
पाठ्यक्रम का नाम	उपनिषद् साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	25 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	वैदिक उपनिषद् साहित्य की प्रमुख उपनिषदों के अन्तर्गत ईश, केन एवं तैत्तिरीय उपनिषद् का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. वैदिक उपनिषद् साहित्य की प्रमुख उपनिषदों के अन्तर्गत ईश, केन एवं तैत्तिरीय उपनिषद् का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी वैदिक साहित्य के मर्म विषय उपनिषदो को समझ सकेंगे। 3. विद्यार्थियो की पाठ्यक्रमेतर उपनिषदों के अध्ययन की ओर प्रवत्ति हो सकेगी
पाठ्यक्रम	1. ईशावास्योपनिषद् (शुक्लयजुर्वेदीय काण्वशाखीय)। 2. केनोपनिषद्। 3. तैत्तिरीयोपनिषद् - शीक्षावल्ली।

Pankaj

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	ईशावास्योपनिषद् (सम्पूर्ण) । (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	केनोपनिषद् - प्रथम एवं द्वितीय खण्ड । (12घण्टे)
तृतीय इकाई	केनोपनिषद् - तृतीय एवं चतुर्थ खण्ड । (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	तैत्तिरीयोपनिषद् - शीक्षावल्ली - प्रथम अनुवाक से षष्ठ अनुवाक तक। (12घण्टे)
पंचम इकाई	तैत्तिरीयोपनिषद् - शीक्षावल्ली - सप्तम अनुवाक से द्वादश अनुवाक तक। (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर। 2. तैत्तिरीयोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर। 3. केनोपनिषद्, जगन्नाथ शास्त्री तैलंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली।
सन्दर्भपुस्तकें	1. उपनिषदों के निर्वचन, वेदवती वैदिक, नाग पब्लिशर्स। 2. उपनिषद् योग तत्व दर्शन, विनय कुमार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।
ई संसाधन	epustakalay.com

Pankaj

एम.ए. (प्रीवियस)
प्रथम सेमेस्टर
पठन और सेमिनार

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि :

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र पुस्तकालय में व्यक्तिपरक पुस्तको और शोधपत्रों को पढने का कौषल विकसित करेंगे।
2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र अंग्रेजी और हिन्दी समाचार पत्रों के सम्पादकीय पठने में सक्षम होंगे और कम्प्यूटर और स्मार्ट फोन पर व्यक्तिपरक मुद्दों और विषयों पर साहित्य को समझने और पढने की क्षमता को विकसित करेंगे।
3. छात्र व्यक्तिपरक शब्दावली पर समूह चर्चा करके व्यक्तिपरक संवाद सीखने में सक्षम होंगे।

फाउन्डेशन कोर्स	
एम.ए. (प्रीवियस)	प्रथम सेमेस्टर
विषय :	
पेपर : पठन और सेमिनार (0+0+2)=02 Credits Per Course MM 50	
Paper Code- SAN816RDS/P	Nomenclature : Reading Aptitude (पठन योग्यता)

SN	Topics
1.	पुस्तकालय में पाठ्यक्रम की पुस्तकें और शोध पत्र पढ़ना।
2.	अंग्रेजी और हिन्दी समाचार पत्रों के सम्पादकीय पढ़ना।
3.	विषय से सम्बन्धित कम्प्यूटर और स्मार्ट फोन पर समसामयिक मुद्दों और विषयों पर साहित्य पढना।
4.	समूह चर्चा, शब्दावली, विषयों की कीवर्ड और साहित्यिक शब्दों पर संवाद के माध्यम से विषय ज्ञान में वृद्धि।
5.	विभिन्न सहायता और तरीकों का उपयोग करके सेमिनार में रिपोर्ट और उसकी प्रस्तुति तैयार करना।

यह पाठ्यक्रम सभी के लिये है।

सहायक पुस्तकें–

- Allison, B., Hilton, A., O'Sullivan, T., Owen, A., Rothwell, A. (2016). Research Skills for Students. United Kingdom: Taylor & Francis.
- O'Dochartaigh, N. (2007). Internet Research Skills: How To Do Your Literature Search and Find Research Information Online. United Kingdom: SAGE Publications.
- Dochartaigh, N. (2012). Internet Research Skills. United Kingdom: SAGE Publications.
- Developing Research Skills: Key Readings and Critical Thinking Exercises. (2017). United States: Cognella Academic Publishing.
- Specht, D. (2020). The Media and Communications Study Skills Student Guide. United Kingdom: University of Westminster Press.

सतत् मूल्यांकन पद्धति के सुझाव –

प्रायोगिक फाइल का मूल्यांकन, प्रस्तुति, सामग्री, अनुसंधान पद्धति और वाइवा के उचित उपयोग पर विशेष ध्यान।

Pankaj

सतत् आंतरिक मूल्यांकन पद्धति के सुझाव –

1. व्याख्यान।
2. पाठ्यक्रम के किसी भी एक शीर्षक पर सेमिनार/असाइनमेंट
3. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के साथ परीक्षा।
4. छात्रों का शोध विन्यास।
5. प्रश्नोत्तरी।

आंतरिक मूल्यांकन –

यह पाठ्यक्रम प्रायोगिक प्रकृति का है–
प्रायोगिक फाइल मूल्यांकन : 30 अंक
प्रस्तुति : 20 अंक

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम –

भारत और विदेश में इग्नू और अन्य केन्द्रित/राज्य संचालि विश्वविद्यालय/MOOC प्लेटफॉर्म जैसे "SWAYAM"।
"SWAYAM" प्लेटफॉर्म शिक्षार्थियों, शोधकर्ताओं और छात्रों को ऑनलाइन मोड में कौशल और मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम सीखने का अवसर प्रदान करता है। NEP 2020 प्रणाली के तहत इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से कोर्स करने वाले छात्रों द्वारा प्राप्त प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किये जाने पर मान्य है।

एम.ए. (प्रीवियस)
प्रथम सेमेस्टर
Additional Course (अतिरिक्त पाठ्यक्रम)

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि :

पाठ्यक्रम को छात्रों को फील्ड वर्क और प्रोजेक्ट वर्क में शामिल होने के लिये तैयार किया गया है ताकि वे फील्ड वर्क और रिसर्च प्रोजेक्ट के बारे में व्यावहारिक ज्ञान से युक्त हो सके। यह उन लोगों के लिये एक अनुभवजन्य शिक्षा होगी जो भविश्य में सामाजिक, वैज्ञानिक और मानवतावादी बनने की आकांक्षा रखते है।

फाउन्डेशन कोर्स	
एम.ए. (प्रीवियस)	प्रथम सेमेस्टर
विषय :	
पेपर : अतिरिक्त पाठ्यक्रम (0+0+3=03) Credits Per Course MM 50	
Paper Code- SAN817ADLC/P	Nomenclature : Formulation of Research Problem (अनुसंधान समस्या का निरूपण)

SN	Topics
1.	फील्ड दृश्य के बारे में जानना। टेक्स्ट दृश्य के बारे में जानना।
2.	शोध परियोजना के लिये शोध समस्या का निरूपण ।
3.	संसाधनों का अनुमानः समय, मानव संसाधन का बजट।
4.	क्षेत्र सर्वेक्षण / अनुसंधान में आवश्यक गैजेट और उपकरणों का संचालन।
5.	फाइल तैयार करना, प्रस्तुतिकरण।

सहायक पुस्तकें–

- Goode and Hatt, 2006: Methods in Social Research.
- Young Pauline, 1988 Scientific Social Surveys and Research Practice.
- Silverman David, 1985 Gower, Vermont Qualitative Methodology and sociology.
- Sachdev Meetali, 1987: Qualitative Research in Social Sciences.
- Rennie, F., Smyth, K. (2016). How to Write a Research Dissertation. United Kingdom: CreateSpace Independent Publishing Platform.
- McMillan, K., Weyers, J. (2007). How to Write Dissertations & Project Reports. United Kingdom: Pearson Prentice Hall.
- Peoples, K. (2020). How to Write a Phenomenological Dissertation: A Step-by-Step Guide. United States: SAGE Publications.

मूल्यांकन पद्धति के सुझाव –

यह पाठ्यक्रम प्रायोगिक प्रकृति का है–

- प्रायोगिक फाइल का मूल्यांकन, प्रस्तुति, सामग्री, अनुसंधान पद्धति और वाइवा के उचित उपयोग पर विशेष ध्यान।

- प्रायोगिक फाइल मूल्यांकन : 30 अंक
  प्रस्तुति : 20 अंक

(छात्र द्वारा किये गये कार्य का प्रस्तुतिकरण ऑडियो – विजुअल, पीपीटी या

आधुनिक उपकरणों के साथ सेमिनार या विभाग या सम्बन्धित विभाग या विश्वविद्यालय द्वारा गठित आंतरिक मूल्यांकन समिति में प्रस्तुत किया जाएगा।)

सुझाए गए ऑनलाइन पाठ्यक्रम –
E-pathashala modules www.inflibnet.org

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम –
भारत और विदेश में इग्नू और अन्य केन्द्रित/राज्य संचालि विश्वविद्यालय/MOOC प्लेटफॉर्म जैसे "SWAYAM"।

Pankaj

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN821DSCT
पाठ्यक्रम क्रमांक	I
पाठ्यक्रम का नाम	स्मृति साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.सी. (Discipline Specific Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	संस्कृत स्मृति साहित्य की प्रमुख स्मृतियों के अन्तर्गत मनुस्मृति एवं याज्ञवल्क्य स्मृति के कतिपय अध्यायों का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों को प्राचीन न्याय व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा। 3. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय संस्कृति को समझने में समर्थ हो सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. मनुस्मृति – प्रथम एवं द्वितीय अध्याय। 2. याज्ञवल्क्य स्मृति – व्यवहाराध्याय का साधरणव्यवहारमातृका प्रकरण एवं असाधरणव्यवहारमातृका प्रकरण।

Pankaj

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	मनुस्मृति – प्रथम अध्याय। (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	मनुस्मृति – द्वितीय अध्याय (1 से 50) (12घण्टे)
तृतीय इकाई	मनुस्मृति – द्वितीय अध्याय (51 से 100) (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	मनुस्मृति – द्वितीय अध्याय (100 से 150) (12घण्टे)
पंचम इकाई	याज्ञवल्क्य स्मृति – व्यवहाराध्याय का साधरणव्यवहारमातृका प्रकरण एवं असाधरणव्यवहारमातृका प्रकरण। (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. मनुस्मृति, टीकाकार हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी। 2. मनुस्मृति, जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास प्रकाशन, वाराणसी। 3. याज्ञवल्क्य स्मृति, व्याख्याकार उमेष चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
सन्दर्भपुस्तकें	1. मनुस्मृति, (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय), व्याख्याकार कमल नयन शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर। 2. मनुस्मृति, जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास प्रकाशन, वाराणसी। 3. याज्ञवल्क्य स्मृति – (व्यवहाराध्याय) व्याख्याकार कमल नयन शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
ई संसाधन	epustakalay.com

Pankaj

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN822DSCT
पाठ्यक्रम क्रमांक	II
पाठ्यक्रम का नाम	वेदान्त दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.सी. (Discipline Specific Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	भारतीय दर्शनशास्त्र की वेदान्त दर्शन परंपरा का परिचय एवं प्रमुख ग्रन्थ वेदान्तसार का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय दर्शनशास्त्र की वेदान्त दर्शन परंपरा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों के जीवन में वेदान्त दर्शन का प्रभाव हो सकेगा। 3. विद्यार्थी वेदान्त दर्शन के सारभूत ग्रन्थ वेदान्तसार का अधिगम कर सकेगा।
पाठ्यक्रम	सदानन्द कृत वेदान्तसार।

Pankaj

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	"अखण्डं सच्चिदानन्दं" से "विविक्तं सल्लक्ष्यमितिचोच्यते" तक। (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	"अस्याज्ञानस्यावरणविक्षेपनामकं शक्तिद्वयम्" से लेकर "एवमध्यारोपः" तक। (12घण्टे)
तृतीय इकाई	"अपवादो नाम रज्जुविवर्तस्य" से "स्वप्रभया तदपि भासयतीति" तक। (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	"एवंभूतस्वरूपचैतन्यसाक्षात्कारपर्यन्त" से अन्त तक। (12घण्टे)
पंचम इकाई	सदानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, वेदान्त दर्शन का इतिहास तथा सामान्य परिचय एवं महत्त्व। (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. वेदान्तसार, व्याख्याकार रामशरण त्रिपाठी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी। 2. वेदान्तसार, व्याख्याकार बद्रीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसी दास प्रकाशन, वाराणसी। 3. वेदान्तसार, व्याख्याकार रामशंकर त्रिपाठी, चौखम्बा ओरियंटालिया, दिल्ली।
सन्दर्भपुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी। 2. भारतीय दर्शन का इतिहास, एस.एन. गुप्त, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
ई संसाधन	epustakalay.com

Pankaj

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN823DSCT
पाठ्यक्रम क्रमांक	III
पाठ्यक्रम का नाम	भाषा विज्ञान
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.सी. (Discipline Specific Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	भाषा विज्ञान का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भाषा विज्ञान के अधिगम से भाषाओं की जननी कही जाने वाली संस्कृत की विशेषताओं को समझ सकेंगे। 2. विद्यार्थियों की संस्कृत भाषा दक्षता में वृद्धि होगी। 3. विद्यार्थी भाषा विज्ञान के अधिगम से विश्वभाषाओं का तुलनात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	भाषा विज्ञान।

Pankaj

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	भाषा की परिभाषा, भाषा की उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, भाषा विज्ञान की उपयोगिता, भाषा विज्ञान का क्षेत्र। (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	भाषाओं के वर्गीकरण के आधार (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण), भारोपीय परिवार का सामान्य परिचय। (12घण्टे)
तृतीय इकाई	ध्वनि विज्ञान की परिभाषा, ध्वनियों का वर्गीकरण – स्पर्ष, संघर्षी, अर्धस्वर, स्वर (संस्कृत ध्वनियों के विशेष संदर्भ में), ध्वनि परिवर्तन के कारण। (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमान, वर्नर), अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, वाक्य का लक्षण एवं भेद। (12घण्टे)
पंचम इकाई	वैदिक संस्कृत व लौकिक संस्कृत में अन्तर, भाषा तथा वाक् में अन्तर, भाषा तथा बोली में अन्तर। (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. भाषा विज्ञान, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 2. भाषा विज्ञान की रूपरेखा, उमा शंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी।
सन्दर्भपुस्तकें	1. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन। 2. भाषा विज्ञान की रूपरेखा, उमा शंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी।
ई संसाधन	epustakalay.com

Pankaj

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN824ADSET
पाठ्यक्रम क्रमांक	IV
पाठ्यक्रम का नाम	महाकाव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	25 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्दंष्य	संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवियों का परिचय एवं षिषुपालवध महाकाव्य के प्रथम सर्ग का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी "माघे सन्ति त्रयो गुणा" की विषेषता वाले महाकवि माघ के काव्यकौषल से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थी षिषुपालवध महाकाव्य के प्रथम सर्ग का अधिगम कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. महाकवि माघ विरचित षिषुपालवध महाकाव्य का प्रथम सर्ग। 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास।

Pankaj

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	शिशुपालवध महाकाव्य का प्रथम सर्ग – 1 से 24 पद्य। (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	शिशुपालवध महाकाव्य का प्रथम सर्ग – 25 से 47 पद्य। (12घण्टे)
तृतीय इकाई	शिशुपालवध महाकाव्य का प्रथंम सर्ग – 48 से अन्त तक। (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	संस्कृत साहित्य का इतिहास के अन्तर्गत निम्न कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्ययनीय है – भास, अश्वघोष, कालिदास, शूद्रक, भारवि, माघ। (12घण्टे)
पंचम इकाई	संस्कृत साहित्य का इतिहास के अन्तर्गत निम्न कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्ययनीय है – हर्ष, बाणभट्ट, भवभूति, दण्डी, भट्टनारायण, बिल्हण । (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. शिशुपालवध प्रथम सर्ग, कैलाश चन्द्र त्रिवेदी, जयपुर। 2. शिशुपालवध प्रथम सर्ग, श्रद्धा सिंह, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर। 3. शिशुपालवध प्रथम सर्ग, धुरन्धर पाण्डेय, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी।
सन्दर्भपुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी। 2. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी। 3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमा शंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी।
ई संसाधन	epustakalay.com

Pankaj

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN824BDSET
पाठ्यक्रम क्रमांक	IV
पाठ्यक्रम का नाम	व्याकरण दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	25 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	व्याकरणशास्त्र के दार्शनिक ग्रन्थ महाभाष्य (पश्पशाह्निक) एवं पाणिनीयशिक्षा का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र के दार्शनिक ग्रन्थ महाभाष्य (पश्पशाह्निक) एवं पाणिनीय शिक्षा का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र के प्रयोजनों एवं आधारभतू सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थियो ं में संस्कृत भाषा का वर्ण विवेक-ज्ञान उत्पन्न हो सकेगा।
पाठ्यक्रम	1. महाभाष्य पश्पशाह्निक। 2. पाणिनीयशिक्षा।

Pankaj

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	महाभाष्य पश्पशाह्निक - प्रारम्भ से 'उक्तः शब्दः। स्वरूपमप्युक्तम् । प्रयोजनान्यप्युक्तानि।' तक (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	महाभाष्य पश्पशाह्निक - 'शब्दानुशासनमिदानीं कर्तव्यम्। तत्कथं कर्तव्यम् ?' से ' तैः पुनरसुरैर्यज्ञे कर्मण्यपभाषितम् ततस्ते पराभूताः।' तक (12घण्टे)
तृतीय इकाई	महाभाष्य पश्पशाह्निक - 'अथ व्याकरणम् इत्यस्य शब्दस्य कः पदार्थः?' से समाप्ति तक (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	पाणिनीयशिक्षा - प्रारम्भ से 30 श्लोक तक । (12घण्टे)
पंचम इकाई	पाणिनीयशिक्षा - 31वें श्लोक से समाप्ति तक। (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. व्याकरणमहाभाष्यम् (पश्पशाह्निकम्),् व्याख्याकार रमाकान्त पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर। 2. व्याकरणमहाभाष्यम् (पश्पशाह्निकम्), व्याख्याकार हरस्वरूप वशिष्ठ, हंसा प्रकाशन, जयपुर। 3. व्याकरणमहाभाष्यम् व्याख्याकार मधसुदन मिश्र, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
सन्दर्भपुस्तकें	1. पाणिनीयशिक्षा, व्याख्याकार अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर। 2. पाणिनीयशिक्षा, व्याख्याकार शिवराज आचार्य,र्य चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
ई संसाधन	epustakalay.com

Pankaj

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN825ADSET
पाठ्यक्रम क्रमांक	V
पाठ्यक्रम का नाम	प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुराणेतिहास
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	25 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुराणेतिहास का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से प्रेरित हो सकेंगे। 2. विद्यार्थी भारतवर्ष की प्रतिष्ठाद्वय कही जाने वाली संस्कृत और संस्कृति के प्रति उन्मुख हो सकेंगे। 3. विद्यार्थी रामायण महाभारत एवं पुराणों के आख्यानों से लोकव्यवहार एवं नैतिक शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. प्राचीन भारतीय संस्कृति 2. रामायण 3. महाभारत 4. पुराण

Ranbir

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	प्राचीन भारतीय संस्कृति - वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ, ऋण, पञ्चमहायज्ञ (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	प्राचीन भारतीय संस्कृति - संस्कार, विवाह, प्राचीन विद्या केन्द्र एवं शिक्षा, भारतीय संस्कृति का विस्तार, विशेषताए एवं महत्त्व (12घण्टे)
तृतीय इकाई	रामायण - रचनाकार, रचनाकाल, विषयवस्तु, रामायणकालीन संस्कृति व समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणा स्रोत, साहित्यिक महत्त्व, रामायण में आख्यान (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	महाभारत - रचनाकार, रचनाकाल, विषयवस्तु, महाभारतकालीन संस्कृति व समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणा स्रोत, साहित्यिक महत्त्व, महाभारत में आख्यान (12घण्टे)
पंचम इकाई	पुराण - अर्थ, लक्षण, विषयवस्तु, पुराणों की संख्या तथा विभाजन, रचनाकाल एवं अष्टादश महापुराणों का परिचय (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. भारतीय संस्कृति, वाई.एस. रमेश, हंसा प्रकाशन, जयपुर । 2. भारतीय संस्कृति, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर। 3. मनुस्मृति, कमलनयन शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर। 4. रामायण, गीताप्रेस, गोरखपुर। 5. महाभारत, गीताप्रेस, गोरखपुर। 6. पुराण-परिशीलन, गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना ।
सन्दर्भपुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी। 2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय; राधावल्लभ त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ । 3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमा शंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी।
ई संसाधन	epustakalay.com

Pankaj

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN825BDSET
पाठ्यक्रम क्रमांक	V
पाठ्यक्रम का नाम	संस्कृत भाषा अध्ययन एवं व्याकरण
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	3
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व–योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	व्यवहारिक रूप में संस्कृत भाषा का अध्ययन एवं व्याकरण का ज्ञान।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा में कु"ाल बनाना। 2. विद्यार्थियों को सरल संस्कृत विधि द्वारा भाषा का ज्ञान करवाना। 3. विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
पाठ्यक्रम	1. शब्द रूप 2. धातु रूप 3. कारक तथा वाक्य लेखन। 4. संख्या लेखन। 5. दैनिक व्यवहारिक प्रचलित शब्द 6. सम्भाषण।

Pankaj

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	शब्द रूप (राम, हरि, रमा, फल, मुनि, वधू, भवत्)। (12घण्टे)
द्वितीय इकाई	धातु रूप – पठ्, गम्, भू, दा, यच्छ्, क्री, याच् (पंच लकार लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्) (12घण्टे)
तृतीय इकाई	कारक तथा वाक्य लेखन । (12घण्टे)
चतुर्थ इकाई	1 से 100 तक संख्या लेखन। (12घण्टे)
पंचम इकाई	1. दैनिक व्यवहारिक प्रचलित शब्द (शरीर वर्ग, परिवार वर्ग, भोज्य पदार्थ शब्दावली)। 2. सम्भाषण। (12घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाषन, वाराणसी। 2. लघुसिद्धांत कौमुदी, व्याख्याकार– गोविन्द प्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुर भारती प्रका"ान, वाराणसी।
सन्दर्भपुस्तकें	1. संस्कृत व्याकरण निकर, उमा शंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा क्लासिकल, वाराणसी। 2. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. (प्रीवियस)
द्वितीय सेमेस्टर
पठन और सेमिनार

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि :

1. समीक्षक के समग्र विचारों और पुस्तक का सारांश प्रस्तुत करेंगे।
2. मुख्य बिन्दुओं और मुख्य तर्क को दोहराएगा। इसमें पाठकों के लिये सिफारिश शामिल होती है, जो पुस्तक के महत्त्व के बारे में अन्तिम विचार प्रदान कर सकेंगे।

ब्रिज कोर्स	
एम.ए. (प्रीवियस)	प्रथम सेमेस्टर
विषय :	
पेपर : पठन और सेमिनार (0+0+2)=02 Credits Per Course MM 50	
Paper Code- SAN826RDS/P	Nomenclature : Academic Book Review (अकादमिक पुस्तक समीक्षा)

SN	Topics
1.	पुस्तक के लेखक और प्रकाशक का विवरण प्रस्तुत करना
2.	पुस्तक का उद्देश्य और विषय वस्तु।
3.	पुस्तक समीक्षा के प्रकार।
4.	पुस्तक समीक्षा के कुछ अंश।
5.	सेमिनार में पाठ सारांश और प्रस्तुति ।

यह पाठ्यक्रम सभी के लिये है।

महत्त्वपूर्ण दिशानिर्देश –

जब संदर्भ आवश्यक हो तो पुस्तक समीक्षा के पाठ में उद्धरण दिये जाने चाहिये और यदि आवश्यक हो तो शीर्षक, लेखक, प्रकाशक, वर्ष और पृष्ठ संख्या शामिल होनी चाहिये। प्रकाशन का शहर छोड दिया जाना चाहिये। जब सम्भव हो तो समीक्षा के पाठ में लेखक का नाम देखे।

सतत् मूल्यांकन पद्धति के सुझाव –

प्रायोगिक फाइल का मूल्यांकन, प्रस्तुति, सामग्री, अनुसंधान पद्धति और वाइवा के उचित उपयोग पर विशेष ध्यान।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन पद्धति के सुझाव –

1. व्याख्यान।
2. पाठ्यक्रम के किसी भी एक शीर्षक पर सेमिनार/असाइनमेंट
3. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के साथ परीक्षा।
4. छात्रों का शोध विन्यास।
5. प्रश्नोत्तरी।

Pankaj

आंतरिक मूल्यांकन –

यह पाठ्यक्रम प्रायोगिक प्रकृति का है–
प्रायोगिक फाइल मूल्यांकन : 30 अंक
प्रस्तुति : 20 अंक

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम –

भारत और विदेश में इग्नू और अन्य केन्द्रित/राज्य संचालित विश्वविद्यालय/MOOC प्लेटफॉर्म जैसे "SWAYAM" ।
"SWAYAM" प्लेटफॉर्म शिक्षार्थियों, शोधकर्ताओं और छात्रों को ऑनलाइन मोड में कौशल और मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम सीखने का अवसर प्रदान करता है। NEP 2020 प्रणाली के तहत इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से कोर्स करने वाले छात्रों द्वारा प्राप्त प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किये जाने पर मान्य है।

एम.ए. (प्रीवियस)
द्वितीय सेमेस्टर
Additional Course (अतिरिक्त पाठ्यक्रम)

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि :

पाठ्यक्रम को छात्रों को फील्ड वर्क और प्रोजेक्ट वर्क में शामिल होने के लिये तैयार किया गया है ताकि वे फील्ड वर्क और रिसर्च प्रोजेक्ट के बारे में व्यावहारिक ज्ञान से युक्त हो सके। यह उन लोगों के लिये एक अनुभवजन्य शिक्षा होगी जो भविष्य में सामाजिक, वैज्ञानिक और मानवतावादी बनने की आकांक्षा रखते है।

ब्रिज कोर्स	
एम.ए. (प्रीवियस)	प्रथम सेमेस्टर
विषय :	
पेपर : **अतिरिक्त पाठ्यक्रम** (0+0+3=03) Credits Per Course MM 50	
Paper Code-SAN827ADLC/P	Nomenclature : Formulation of Research Problem (अनुसंधान प्रस्ताव और रिपोर्ट लेखन)

SN	Topics
1.	अनुसंधान प्रस्ताव विकसित करने और उसके कार्यान्वयन के तरीके।
2.	प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों के मूल सिद्धान्त ।
3.	डेटा के बारे में लाइब्रेरी आधारित गतिविधियाँ।
4.	रिपोर्ट लेखनः उद्देष्य एवं महत्त्व, रिपोर्ट लेखन का कौशल।
5.	अनुसंधान प्रस्ताव, प्रस्तुति।

सहायक पुस्तकें–

- Goode and Hatt, 2006: Methods in Social Research.
- Young Pauline, 1988 Scientific Social Surveys and Research Practice.
- Silverman David, 1985 Gower, Vermont Qualitative Methodology and sociology.
- Sachdev Meetali, 1987: Qualitative Research in Social Sciences.
- Rennie, F., Smyth, K. (2016). How to Write a Research Dissertation. United Kingdom: CreateSpace Independent Publishing Platform.
- McMillan, K., Weyers, J. (2007). How to Write Dissertations & Project Reports. United Kingdom: Pearson Prentice Hall.
- Peoples, K. (2020). How to Write a Phenomenological Dissertation: A Step-by-Step Guide. United States: SAGE Publications.

मूल्यांकन पद्धति के सुझाव –

यह पाठ्यक्रम प्रायोगिक प्रकृति का है–

- प्रायोगिक फाइल का मूल्यांकन, प्रस्तुति, सामग्री, अनुसंधान पद्धति और वाइवा के उचित उपयोग पर विशेष ध्यान।

- प्रायोगिक फाइल मूल्यांकन : 30 अंक
  प्रस्तुति : 20 अंक

(छात्र द्वारा किये गये कार्य का प्रस्तुतिकरण ऑडियो – विजुअल, पीपीटी या आधुनिक उपकरणों के साथ सेमिनार या विभाग या सम्बन्धित विभाग या विश्वविद्यालय द्वारा गठित आंतरिक मूल्यांकन समिति में प्रस्तुत किया जाएगा।)

सुझाए गए ऑनलाइन पाठ्यक्रम –
E-pathashala modules www.inflibnet.org

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम –
भारत और विदेष में इग्नू और अन्य केन्द्रित/राज्य संचालि विश्वविद्यालय/MOOC प्लेटफॉर्म जैसे "SWAYAM"।

Pankaj